॥ साधको की ये हरि ॐ बोली ॥

साधको की ये हरि ॐ बोली । ऐसी वेसी ये बोली नही हैं ॥
निंदको की तडक और गरज से । डर ने वाली ये टोली नही है ॥

लेकर सत्संग हरि ॐ साधक । सत्य संदेश दिल में है धारे ॥
सून लो जग वालो इन अफवाओ से । डरने वाली ये टोली नही है ॥

हम तो सदगुरु के प्यारे है साधक । जैसे सिह के दुलारे हो श्रावक ॥
भूल कर भी इनहे ना सताना । गिधडो की ये टोली नहीं है ॥

थक गये सब जग वाले निंदक । साधको की ना श्रध्धा घटी है ॥
हम तो प्यारे है अपने बापू के । इसे वैसे हमजोली नहीं है ॥

विश्वगुरु पद पे भारत रहेगा । प्यारे बापू की बोली यही है ॥
साधको का है संकल्प पुरा । कायारो की ये बोली नही है ॥

दुरमती से भरे है जो निंदक । नर्क गामी फिर उनकी गति है ॥
खेरीयत समजो जब तक बापू ने । तिसरी आँख खोली नही है ॥

साधको की ये हरि ॐ बोली । ऐसी वेसी ये बोली नही हैं ॥
निंदको की तडक और गरज से । डर ने वाली ये टोली नही है ॥

Send corrections to hariomgroup@gmail.com